समाजशास्त्र

SEM-1 MJC-1 Date: 02/02/26

→ Topic :- समाजशास्त्र : परिचय, अर्थ, परिभाषा

सृष्टि की शुरूआत के साथ ही मानव-समाज का भी विस्तार होता गया। लोगों ने एक दूसरे के साथ रहना प्रारंभ किया, फिर परिवार, गोत्र, ग्राम, गण और गणराज्य, समूह, समुदाय फिर समाज का निर्माण हुआ। समाज के निर्माण के साथ ही, सहयोग और संघर्ष, विभिन्नताएं भी बढ़ीं। ये सभी कुछ सामाजिक जीवन के स्वाभाविक पक्ष हैं। साथ ही ये सभी समाज के सदस्यों के साथ उनके बीच पाए जाने वाले अन्तः-सम्बन्धों की अभिव्यक्तियाँ हैं। इन्हीं सम्बन्धों के जाल को समाज कहते हैं।

इस प्रकार स्पष्ट है कि समाजशास्त्र समाज का शास्त्र या विज्ञान है और इस रूप में यह समाज और सामाजिक जीवन का अध्ययन करता है।

→ समाजशास्त्र का शाब्दिक अर्थ :-

"समाजशास्त्र" अंग्रेजी शब्द Sociology का हिन्दी रूपांतर है, जिसकी उत्पत्ति लैटिन शब्द 'Socius' जिसका अर्थ है 'समाज' और ग्रीक भाषा का शब्द 'Logos', जिसका अर्थ है, शास्त्र या विज्ञान।

इस प्रकार समाजशास्त्र का शाब्दिक अर्थ है समाज का विज्ञान।

→ समाज-शास्त्र की परिभाषाएँ (Definations of Sociology)

★ लेस्टर वार्ड (Lester ward) : "समाजशास्त्र समाज का विज्ञान है।"

★ फ्रैंकलिन गिडिंग्स (Franklin Giddings) : समाजशास्त्र समाज का क्रमबद्ध वर्णन और व्याख्या है।"

★ मैक्स वेबर (Max Weber) : "समाजशास्त्र वह विज्ञान है, जो सामाजिक क्रिया का अर्थपूर्ण बोध कराने का प्रयत्न करता है, जिससे इसकी गतिविधि तथा परिणामों

Ajanta Officer

Scanned with CamScanner